महाकुंभ में करीब चार लाख करोड़ के कारोबार की उम्मीद

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर : रविवार सुबह से ही प्रयागराज की सड़कों पर वाहनों व पैदल यात्रियों का रेला दिखने लगा। दोपहर में बारिश होने से लोग इधर-उधर छांव तलाशते ठिठके जरूर लेकिन बूंदाबांदी थमते ही फिर सड़कों पर दिखे। इससे चहुंओर जाम की स्थिति रही। पुलिस पसीने-पसीने होती रही। भीड़ का दबाब देखते हुए महाकुंभ क्षेत्र में कुछ पुलों पर आवागमन रोक दिया गया। यातायात प्रबंधन योजना में तात्कालिक तौर पर संशोधन किए गए। साथ ही चार हजार हेक्टेयर में विस्तारित महाकुंभ क्षेत्र में तैयारियों का रिहर्सल भी कर लिया गया। प्रदेश सरकार को उम्मीद है कि महाकुंभ में देश-विदेश से लगभग 40 करोड़ श्रद्धालु व पर्यटक आएंगे। माना जा रहा है कि महा आयोजन में प्रति व्यक्ति औसत खर्च 10 हजार रुपये तक भी बढ़ सकता है और कुल कारोबार चार लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

बुधादित्य योग में लगेगी पौष पूर्णिमा की डुबकी : इस बार पौष पूर्णिमा पर बुधादित्य योग का अद्भुत संयोग बन रहा है। स्नान के बाद सकल कामना सिद्धि , जनकल्याण व राष्ट्र अभ्युदय के लिए यज्ञ-अनुष्ठान आरंभ हो जाएगा। देश-विदेश के संत व श्रद्धालु गंगा, यमुना व अदृश्य सरस्वती की त्रिवेणी (संगम) के पवित्र जल में डुबकी लगाकर भजन-पूजन में रम जाएंगे। धर्माचार्यों का मत है कि स्नान पर्वों पर संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाकर यथासंभव दान करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।

ज्योर्तिविद आचार्य आचार्य देवेंद्र प्रसाद त्रिपाठी के अनुसार पौष मास की पूर्णिमा तिथि 13 जनवरी सोमवार की भोर 4.32 बजे आरंभ होकर 14 जनवरी की भोर 3.45 बजे तक रहेगी। सोमवार की शाम 4.07 बजे तक भद्रा है, लेकिन स्नान-दान में उसका प्रभाव नहीं माना जाएगा। पूर्णिमा का प्रभाव दिनभर रहेगा। आद्रा नक्षत्र, ऐंद्र योग रहेगा। धनु राशि में सूर्य और बुध संचारण करेंगे। इससे बुधादित्य योग बनेगा। धर्म-कर्म सहित समस्त मांगलिक कार्य निर्विघ्न होंगे। त्रिवेणी में डुबकी लगाने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी। कल्पवास आरंभ करना अत्यंत पुण्यकारी होगा।

प्रयागराज में रविवार रात को काली घाट पर लेजर लाइट शो को देखते लोग ● एएनआइ

महाकुंभ के स्नान पर्व

पौष पूर्णिमा	13 जनवरी
मकर संक्रांति	14 जनवरी
मौनी अमावस्या	29 जनवरी
वसंत पंचमी	03 फरवरी
माघी पूर्णिमा	12 फरवरी
महाशिवरात्रि	26 फरवरी

खास-खास

- 7 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं महाकुंभ मेला क्षेत्र में
- 26 हजार करोड़ सड़कों, पुलों, बिजली-पानी पर खर्च
- 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है महाकुंभ में
- 4 हजार हेक्टेयर करीब क्षेत्रफल में बसाया गया है मेला क्षेत्र
- 25 सेक्टर में है मेला क्षेत्र, 30 पांटून पुल बनाए गए हैं
- 8 हजार बसें और तीन हजार विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी
- 1 लाख जवान पुलिस, पीएसी व पैरामिलिट्री के तैनात हैं
- 20 अस्थायी थाने, 68 पुलिस चौकी, 82 अग्निशमन केंद्र।